Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to set up new fertilizer factories and formulate a new fertilizer distribution policy.-laid

श्रीमती रीती पाठक (सीधी): हमारा देश कृषि प्रधान देश है एवं मेरे संसदीय क्षेत्र सीधी में आय का प्रमुख स्रोत कृषि ही है। मै माननीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जी का ध्यान हर वर्ष खेती के समय होने वाली रासायनिक खाद की समस्या की तरफ आकृष्ट कराना चाहती हूँ।

देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के साथ ही मेरे संसदीय क्षेत्र मे हर वर्ष खेती के दौरान किसानों को समय पर आवश्यकतानुसार रासायनिक उर्वरक नहीं मिल पाते और किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए लंबा इंतज़ार एवं जद्दोजहद करनी पड़ती है। हमारी सरकार ने दृढ़ता के साथ कई जरूरी कदम उठाए हैं , जिससे स्थितियों मे तुलनात्मक सुधार हुआ है। वितरण व निगरानी समितियों के माध्यम से कालाबाजारी एवं अन्य अनियमितता रोकने के भी प्रयास जारी हैं। किन्तु पर्याप्त उत्पादन होने के बावजूद भी हो रही कालाबाजारी के कारण हम किसानों को आसानी से रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति करने के लक्ष्य से दूर हैं। मेरा सुझाव है कि उर्वरक की पैकिंग पर क्यूआर कोड , बार कोड , या अन्य किसी तकनीकी का प्रयोग किया जाए ताकि प्रत्येक उर्वरक पैकिंग की ट्रेसबिलिटी की जा सके और कालाबाजारी पूरी तरीके से रुक सके। साथ ही माननीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जी से नई उर्वरक उत्पादन इकाइयां लगाने और नई उर्वरक वितरण पॉलिसी पर विचार करने का आग्रह करती हूँ। इसके अलावा किसानों को यदि फर्टिलाइज़र सब्सिडी डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए की जाये तो किसानों को इस समस्या से बड़ी राहत मिल सकेगी और मेरे संसदीय क्षेत्र के साथ-साथ ही देश के सभी किसान समय पर अपनी फसलों को उर्वरक दे सकेंगे व फसलों को उर्वरक की कमी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा।